वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:5 अंक: 266 मंगलवार 17 फरवरी 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

@ पेज 2 पर

राजस्थान अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में 'अखिल भारतीय संस्थागत नेतृत्व समागम-2026' का भव्य शुभारंभ

परंपरा और आधुनिकता के संगम से ही बनेगा 'विकसित भारत 2047': मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

वेदों के ज्ञान के साथ कूटलेखन और योग के साथ यंत्रमानव विज्ञान को अपनाएं युवा

एक वर्ष में कीर्तिमान नियुक्तियों और पारदर्शी परीक्षाओं का दिया विवरण

उच्च शिक्षा को रोजगारपरक बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध

नई दिल्ली/जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि देश की आधुनिक शिक्षा प्रणाली तभी सार्थक होगी जब इसमें नवाचार, अत्याधुनिक तकनीक और प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा का अद्भुत समन्वय होगा। उन्होंने बल देकर कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल उपाधि प्राप्त करना नहीं, बल्कि युवाओं का चरित्र निर्माण और उन्हें रोजगार के योग्य बनाना होना चाहिए। मुख्यमंत्री सोमवार को जयपुर के राजस्थान अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित 'अखिल भारतीय संस्थागत नेतृत्व समागम-2026' के उद्घाटन समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे।

शिक्षा में परंपरा और आधुनिकता का मिलन

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने एक ऐसी शिक्षा व्यवस्था की परिकल्पना प्रस्तुत की जो वैश्विक होने के साथ-साथ अपनी जड़ों से भी जुड़ी हो। उन्होंने कहा, हमें ऐसी शिक्षा चाहिए जो परंपरा और आधुनिकता का संगम हो। जहाँ हमारे युवाओं के पास वेदों का ज्ञान हो, तो साथ ही कृत्रिम बुद्धिमत्ता की गहरी समझ भी हो। जहाँ संस्कृत के श्लोकों के साथ कूटलेखन (कोडिंग) की भाषा का प्रवाह हो और योग-ध्यान के साथ-साथ यंत्रमानव विज्ञान (रोबोटिक्स) व सूक्ष्म तकनीक (नैनो टेक्नोलॉजी) जैसे विषयों पर भी उनकी पकड़ मजबूत हो। उन्होंने समागम के मुख्य विषय ''अंतर-संस्थागत विकास पर संवाद'' को अत्यंत प्रासंगिक बताते हुए कहा कि आज समय की मांग है कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, केंद्रीय विश्वविद्यालय, अनुसंधान संस्थान और निजी शिक्षण संस्थान एक मंच पर आकर सामूहिक प्रयास करें। जब ये संस्थान मिलकर काम करेंगे, तभी शोध और नवाचार का लाभ धरातल पर सामान्य युवा तक पहुँच सकेगा। युवाओं के भविष्य के प्रति अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए शर्मा ने पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में हुए प्रश्नपत्र लीक प्रकरणों पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने युवाओं के सपनों के साथ खिलवाड़ किया था, लेकिन हमारी सरकार ने शुचिता और पारदर्शिता को प्राथमिकता दी है। मुख्यमंत्री ने गर्व के साथ साझा किया कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में अब तक 351 परीक्षाएं सफलतापूर्वक आयोजित की गई हैं और एक भी प्रश्नपत्र लीक होने की घटना नहीं हुई है। सरकार अब तक 1 लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नियुक्तियां दे चुकी है। 1.54 लाख से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रिया वर्तमान में जारी है और आगामी वर्ष के लिए 1 लाख सरकारी नौकरियों का विवरण पहले ही जारी किया जा चुका है। उन्होंने आगे बताया कि सरकार केवल सरकारी क्षेत्र तक सीमित नहीं है।

पुरातन गौरव और भविष्य की तैयारी: उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा

समारोह को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि भारत का अतीत नालंदा और तक्षशिला जैसे महान विश्वविद्यालयों का रहा है, जहाँ सम्पूर्ण विश्व से जिज्ञासु ज्ञानार्जन के लिए आते थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान वैश्वीकरण के दौर में भारतीय ज्ञान परंपरा की प्रासंगिकता और बढ़ गई है। हमारी सरकार उच्च शिक्षा में व्यावहारिक ज्ञान पर विशेष जोर दे रही है, ताकि राजस्थान का युवा केवल नौकरी ढूंढने वाला नहीं, बल्कि रोजगार प्रदाता बने। विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. कैलाश चंद्र शर्मा ने समागम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस दो दिवसीय आयोजन में भविष्य के लिए तैयार शिक्षक, भारत केंद्रित शोध, भारतीय भाषाओं के प्रचार-प्रसार और तकनीक आधारित उच्च शिक्षा जैसे विषयों पर देश भर के प्रबुद्धजन गहन मंथन करेंगे। यह समागम राजस्थान ही नहीं, बल्कि संपूर्ण देश की उच्च शिक्षा नीति को एक नई दिशा देने और भारतीय जड़ों से जुड़ी आधुनिक शिक्षा की रूपरेखा तैयार करने में मील का पत्थर साबित होगा।

युवा शक्ति

विकसित भारत 2047 का मुख्य आधार

मुख्यमंत्री ने जनसांख्यिकीय लाभांश का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत आज विश्व का सबसे युवा देश है, जिसकी 65 प्रतिशत से अधिक जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है। उन्होंने कहा, यह युवा शक्ति हमारी सबसे बड़ी ताकत है। यदि हम अपने युवाओं को सही शिक्षा, कौशल प्रशिक्षण और उचित मार्गदर्शन प्रदान करें, तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' के संकल्प को सिद्ध होने से कोई नहीं रोक सकता। उन्होंने शिक्षकों से आव्हान किया कि वे युवाओं की ऊर्जा को राष्ट्र निर्माण की दिशा में मोड़ने के लिए मार्गदर्शक की भूमिका निभाएं।

तत्वार्थसूत्र प्रतियोगिताओं के विजेता ज्ञानोदय में होंगे पुरस्कृत

भोपाल. शाबाश इंडिया

अ. भा. दि. जैन विद्वत्परिषद् द्वारा मनाये गए 'तत्त्वार्थसूत्र वर्ष' के उपलक्ष्य में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के परिणाम शीघ्र घोषित किए जा रहे हैं। सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भोपाल स्थित ज्ञानोदय तीर्थ पर 3 व 4 मार्च को गरिमामय समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा। इस अवसर पर विद्वत्परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. वीरसागर जी, कार्याध्यक्ष डॉ. शांतिकुमार पाटिल और महामंत्री डॉ. अखिल बंसल के अतिरिक्त वरिष्ठ विद्वान डॉ. सुदर्शनलाल जी तथा ब्र. हेमचंद जी 'हेम' विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

'धर्म की वास्तविक प्रभावना वचनों से नहीं, बल्कि आचरण से होती है, आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज इसी आचरण की प्रतिमूर्ति थे' : मुनिश्री विनम्रसागर महाराज

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री मुनि सेवा समिति, बापू नगर के बैनर तले आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के दीक्षित एवं आचार्य श्री समय सागर जी महाराज के आज्ञानुवर्ती शिष्य मुनिश्री 108 विनम्रसागर जी महाराज, मुनिश्री 108 निस्वार्थ महाराज एवं मुनिश्री 108 निसर्ग महाराज ससंघ की जयपुर में भव्य अगवानी की गई। श्री मुनि सेवा समिति के अध्यक्ष राजीव जैन (गाजियाबाद) एवं महामंत्री नवीन संघी ने बताया कि प्रातः महावीर स्कूल से भव्य लवाजमे और महिला एवं युवा मंडलों की उपस्थिति के बीच मुनिसंघ ने 'भट्टारक जी की नसियाँ' में प्रवेश किया। बापू नगर की महिलाएँ जुलूस में मंगल कलश और मंगल गान के साथ चल रही थीं। जुलूस में केसरिया ध्वज थामे युवा वर्ग नंगे पैर और शुद्ध वस्त्रों में धर्म प्रभावना का नेतृत्व कर रहे थे। नसियाँ जी के मुख्य द्वार पर उमरावमल संघी एवं पी.के. जैन ने मुनिश्री की मंगल आरती उतारकर अगवानी की। धर्मसभा का चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्ज्वलन युवा गौरव अतुल सौगानी, सुशील पहाड़िया, राजेंद्र सेठी, शीतल कटारिया और पारस कासलीवाल ने किया। प्रवचन से पूर्व आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज का सामूहिक पूजन किया गया। मुनिश्री ने धर्मसभा का प्रारंभ आचार्य श्री के स्मरण के साथ किया। उन्होंने कहा– 'धर्म की वास्तविक प्रभावना वचनों से नहीं, बल्कि आचरण से होती है। आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज इसी आचरण की प्रतिमूर्ति थे।' मुनिश्री ने आगे कहा कि आचार्य श्री ने अपने पूरे जीवन में धर्म की प्रभावना को नए आयाम दिए। उनका योगदान अद्वितीय रहा है; उन्होंने 'इंडिया नहीं, भारत बोलो' का नारा दिया और प्रतिभास्थली जैसी संस्थाओं के माध्यम से संस्कारित शिक्षा की नींव रखी। 'मूक माटी' के रचयिता के रूप में उन्होंने गौ-सेवा और पशु संरक्षण को धर्म का अनिवार्य अंग बनाया। अपनी कठोर चर्या और मौन साधना से उन्होंने करोड़ों लोगों के जीवन में आध्यात्मिक चेतना जागृत की। धर्मसभा में मुनिवर का पाद प्रक्षालन शांतिकुमार-ममता सौगानी (जापान वाले) ने किया। इस अवसर पर जयपुर की विभिन्न कॉलोनियों से मुनिश्री को आमंत्रण हेतु श्रीफल भेंट किए गए। सुरेंद्र कुमार मोदी, संजय पाटनी, मनोज झांझरी एवं रमेश बोहरा ने स्वागत उद्बोधन दिया। समिति ने बताया कि सोमवार को मुनिश्री का मंगल प्रवचन प्रातः 9:00 बजे भट्टारक जी की नसियाँ में होगा। दोपहर में विशेष कक्षा लगेगी एवं सायंकाल आरती आयोजित की जाएगी।

चंपापुर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया भगवान वासुपूज्य का जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव

भागलपुर/चंपापुर. शाबाश इंडिया

सभी साधर्मियों को सादर जय जिनेंद्र। आज सोमवार को शाश्वत पर्व चतुर्दशी एवं हमारे बारहवें तीर्थंकर 1008 श्री वासुपूज्य भगवान के जन्म एवं तप कल्याणक महोत्सव के पावन अवसर पर नाथनगर, चंपापुर स्थित स्थानीय जैन मंदिर में भक्तों का तांता लगा रहा। भक्तों की भारी भीड़ के बीच मूलनायक वासुपूज्य भगवान का भव्य अभिषेक, शांतिधारा एवं विशेष पूजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर सभी भव्य जीवों ने अत्यंत भक्तिभाव और उत्साह के साथ भगवान का कल्याणक महोत्सव मनाया। जैसा कि सर्वविदित है, वर्तमान चौबीसी के बारहवें तीर्थंकर भगवान वासुपूज्य के पांचों कल्याणक (गर्भ, जन्म, तप, ज्ञान और मोक्ष) इसी पावन चंपापुर की धरा पर हुए हैं, जो इसे एक अतिशय क्षेत्र बनाता है। महोत्सव के विशेष उपलक्ष्य में भागलपुर समाज के भक्तों ने पैदल यात्रा कर चंपापुर सिद्ध क्षेत्र पहुंचकर जिनधर्म की ध्वजा शिखर पर फहराई और सातिशय पुण्य अर्जित किया।

पुलवामा आतंकी हमले के वीर शहीदों को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

मुंबई. शाबाश इंडिया। कांदिवली (पूर्व) स्थित ठाकुर कॉम्प्लेक्स में पुलवामा आतंकी हमले के अमर शहीदों की स्मृति में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारतीय नौसेना (जल सेना) के पूर्व अधिकारी रमेश चंद्र सिंह एवं उनके परिवार द्वारा आयोजित किया गया। इस अवसर पर रमेश चंद्र सिंह, उनकी धर्मपत्नी, पत्रकार व साहित्यकार लक्ष्मीकांत कमलनयन और पूर्व नगरसेवक सागर सिंह सहित अनेक गणमान्य नागरिकों ने शहीदों के चित्र पर पुष्प अर्पित किए और दीप प्रज्ज्वलित कर उन्हें नमन किया। सभा में 'पुलवामा के वीर सपूत अमर रहें', 'जय हिंद' और 'वंदे मातरम' के नारों से आकाश गूंज उठा। श्रद्धांजलि सभा का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। कार्यक्रम के अंत में आयोजक रमेश चंद्र सिंह ने उपस्थित सभी लोगों का आभार व्यक्त किया।

नेपाल के जनकपुर में पंचकल्याणक, दीक्षा और निर्यापक संस्कार संपन्न, आचार्य वसुनंदी जी ने रचा स्वर्णिम इतिहास

जयपुर. शाबाश इंडिया

प्राकृत भाषा चक्रवर्ती, अभिक्षण ज्ञानोपयोगी आचार्य गुरुवर श्री 108 वसुनंदी जी मुनिराज ससंघ का रविवार को नेपाल (जनकपुर) की पावन धरा पर प्रथम बार भव्य एवं भावभीना स्वागत हुआ। जनकपुर क्षेत्र में आचार्य श्री के 16 पिच्छी मुनिसंघ की आहारचर्या गौरवपूर्ण तरीके से संपन्न हुई। अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान (राजस्थान प्रांत) के अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने संघस्थ ब्र. भैया प्रभाशीष एवं भैया ऋषभ से प्राप्त जानकारी के आधार पर बताया कि आचार्य भगवन के सानिध्य में जनकपुर, नेपाल में श्रीमज्जिनेन्द्र पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव सानंद संपन्न हुआ। इस अवसर पर आचार्य श्री ने कई ऐतिहासिक धार्मिक संस्कार संपन्न किए:

आर्यिका दीक्षा: क्षुल्लिका बोधिनंदनी माताजी को आर्यिका दीक्षा प्रदान कर उन्हें 'आर्यिका नयपालनंदनी' नाम से सुशोभित किया।

उपाधि प्रदान: उपाध्याय श्री प्रज्ञानंदी जी मुनिराज को 'सिद्धांत वारिधि' की उपाधि से महिमामंडित किया गया।

निर्यापक संस्कार: मुनिराज श्री आत्मानंदी जी को 'निर्यापक मुनि' के संस्कार दिए गए।

वाग्दीक्षा: मुनिराज श्री सभ्यानंदी जी व श्री समग्रानंदी जी को वाग्दीक्षा (मंच से स्वाध्याय/प्रवचन की स्वीकृति) प्रदान की गई।

प्रतिष्ठाचार्य: आलोक शास्त्री (बड़ामल्हरा) को प्रतिष्ठाचार्य पद के संस्कार देकर एक नया इतिहास रचा गया।

उल्लेखनीय है कि आचार्य श्री का पद विहार अतिशय क्षेत्र अहिक्षत्र पार्श्वनाथ से प्रारंभ होकर तीर्थंकरों की जन्मभूमि अयोध्या, वैशाली, मिथिला आदि क्षेत्रों से होते हुए शाश्वत तीर्थ श्री सम्मेद शिखर जी की ओर निरंतर अग्रसर है।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सिटी ने जीव दया अभियान के तहत किया श्रमदान एवं सेवा कार्य

भिंड. शाबाश इंडिया

'प्राणी मात्र की सेवा ही परमो धर्म है' के ध्येय वाक्य को सार्थक करते हुए दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सिटी, भिंड द्वारा 'जीव दया अभियान' के अंतर्गत हाउसिंग कॉलोनी स्थित गौरी सरोवर के पास विशेष सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य गतिविधियाँ एवं सेवा कार्य...

सामूहिक श्रमदान: संस्था के सदस्यों ने जीव दया स्थल पर एकत्रित होकर साफ-सफाई की और व्यवस्था सुदृढ़ करने में सहयोग दिया।

पशु-पक्षी सेवा: गौशाला में गायों को गुड़, चना, कुटी, हरा चारा और पालक खिलाया गया। इसके साथ ही, पक्षियों के लिए दाना-पानी (परिंडे) की उचित व्यवस्था की गई।

सराहना: जीव दया स्थल कमेटी ने ग्रुप की इस निस्वार्थ पहल की प्रशंसा करते हुए पूरी टीम का आभार व्यक्त किया।

नि:स्वार्थ सेवा का सम्मान

ग्रुप के सचिव अंशुल-आयशा जैन ने जीव दया स्थल पर निरंतर सेवाएं दे रही बहन कृष्णा राजावत के प्रति विशेष कृतज्ञता प्रकट की। उन्होंने बताया कि कृष्णा दीदी प्रतिदिन घायल गायों की देखभाल और ड्रेसिंग कर जीव सेवा का अनुकरणीय उदाहरण पेश कर रही हैं।

सेवा के साथ मनाया खुशियों का उत्सव: संस्था के सदस्य श्री संजय-संगीता जैन (पवैया) एवं श्री विकास-शैली जैन ने अपनी वैवाहिक वर्षगांठ को आडंबरपूर्ण पार्टियों या केक काटने के बजाय जीव सेवा के साथ हर्षोल्लास से मनाया, जो समाज के लिए एक अनूठी प्रेरणा है।

भविष्य का संकल्प

अध्यक्ष श्री शैलेंद्र-पूनम जैन ने सभी सदस्यों, मातृशक्ति और भामाशाह पशु आहार योजना कमेटी का धन्यवाद किया। परम संरक्षक अशोक-जया जी एवं कोषाध्यक्ष रविंद्र-सुधा जी ने संयुक्त रूप से संकल्प दोहराया कि: 'दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सिटी, भिंड निरंतर अपने जीव दया अभियान के माध्यम से विभिन्न सेवा संस्थानों में अपना सहयोग जारी रखेगा।'

उपस्थिति: कार्यक्रम में मुख्य रूप से संयोजक नवीन-अंजू जैन, विकल्प-नीलम, विनय-नीलम, विकास-प्रीति, निखिल-रूपाली, सिद्धार्थ-नेहा, हिमांशु-खुशबू, राहुल-निधि, उदित-सोनाली, असीम-नेहा, पंकज-रजनी, सौरभ-मोना, राहुल-हेमू जैन (पार्षद) सहित लगभग 40 सदस्यों एवं बच्चों ने सक्रिय सहभागिता की।

वेद ज्ञान

भविष्य के जलवायु समझौतों का आधार स्तंभः क्योटो प्रोटोकॉल

सुनील कुमार महला

पर्यावरणीय इतिहास में 16 फरवरी का दिन एक मील का पत्थर माना जाता है। इसी दिन वर्ष 2005 में 'क्योटो प्रोटोकॉल' आधिकारिक रूप से प्रभावी हुआ था। यह जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने के लिए विश्व का पहला कानूनी रूप से बाध्यकारी अंतरराष्ट्रीय समझौता था। 1997 में जापान के क्योटो शहर में अपनाया गया यह प्रोटोकॉल संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा अभिसमय के अंतर्गत विकसित किया गया था। इसका प्राथमिक लक्ष्य औद्योगिक देशों द्वारा ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को 1990 के स्तर की तुलना में कम करना था। वर्तमान में पूरी दुनिया ग्लोबल वार्मिंग की मार झेल रही है। अंधाधुंध औद्योगिकीकरण, शहरीकरण और जीवाश्म ईंधनों के अत्यधिक दोहन ने वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन और नाइट्रस ऑक्साइड जैसी गैसों की मात्रा बढ़ा दी है। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024 में वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन 57.7 गीगाटन (कार्बन डाइऑक्साइड समतुल्य) के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड की सांद्रता अब 425 पीपीएम के करीब है, जो औद्योगिक क्रांति से पूर्व की तुलना में 50% अधिक है। भारत के संदर्भ में देखें तो हमारा वार्षिक उत्सर्जन लगभग 4 गीगाटन है, जो हमें विश्व का तीसरा सबसे बड़ा उत्सर्जक बनाता है। हालांकि, भारत का प्रति व्यक्ति उत्सर्जन (3 टन) वैश्विक औसत (6.4 टन) से काफी कम है। क्योटो प्रोटोकॉल की सबसे बड़ी विशेषता 'साझा लेकिन भिन्न जिम्मेदारी' का सिद्धांत था। इसके तहत ऐतिहासिक रूप से अधिक प्रदूषण फैलाने वाले विकसित देशों पर उत्सर्जन कटौती का अनिवार्य दायित्व डाला गया, जबकि भारत और चीन जैसे विकासशील देशों को शुरूआती चरण में छूट दी गई। इस समझौते ने 'स्वच्छ विकास तंत्र' और 'कार्बन ट्रेडिंग' जैसे नवीन मार्ग प्रशस्त किए। भारत ने इन तंत्रों का लाभ उठाते हुए तकनीकी आधुनिकीकरण और विदेशी निवेश के माध्यम से वैश्विक कार्बन बाजार में अपनी पैठ बनाई।

संपादकीय

युद्ध की हवाई पट्टी और उभरता भारत

असम के डिब्रूगढ़ में राष्ट्रीय राजमार्ग-37 पर निर्मित देश की पहली आपातकालीन हवाई पट्टी पर जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सी-130जे सुपर हरक्यूलिस विमान से अवतरण किया, तो यह केवल एक आधिकारिक उद्घाटन नहीं था। यह विश्व पटल पर भारत की बदलती सैन्य रणनीति, तकनीकी सक्षमता और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति अडिग संकल्प का एक शक्तिशाली संदेश था। ऐसा करने वाले वे दुनिया के पहले शासनाध्यक्ष बन गए हैं,

जिसने इस उपलब्धि को न केवल ऐतिहासिक बल्कि बहुआयामी बना दिया है। आज के दौर में युद्ध का स्वरूप पूरी तरह बदल चुका है। आधुनिक सैन्य सिद्धांतों के अनुसार, शत्रु सबसे पहले वायुसेना के अड्डों और धावन पथ (रनवे) को निशाना बनाता है ताकि विरोधी देश की हवाई शक्ति को 'पंगु' किया जा सके। 'अभियान सिंदूर' के दौरान भारतीय वायुसेना ने जिस तरह पड़ोसी देश के नौ प्रमुख वायुसेना केंद्रों, रडार प्रणालियों और निगरानी तंत्रों को ध्वस्त किया था, वह इस बात का प्रमाण है कि युद्ध में मुख्य हवाई अड्डों पर निर्भरता जोखिम भरी हो सकती है। इसी आवश्यकता को देखते हुए 100 करोड़ रुपये की लागत से बनी यह 4.2 किलोमीटर लंबी हवाई पट्टी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह 40 टन के लड़ाकू विमानों और 74 टन के भारी परिवहन विमानों के संचालन में सक्षम है। सीमा से महज 200 किलोमीटर दूर इस प्रकार का युद्धाभ्यास यह दर्शाता है कि भारत अब किसी भी आपात स्थिति में तुरंत 'मोर्चेबंदी' के लिए तैयार है। भारत का रक्षा परिदृश्य पिछले एक दशक में पूरी तरह बदल गया है। 2026-27 के बजट में रक्षा मंत्रालय को 7.85 लाख करोड़ रुपये का आवंटन और 2024-25 में 1.54 लाख करोड़ रुपये का कीर्तिमान घरेलू उत्पादन इस बात की पुष्टि करता है कि अब हम आयात पर निर्भर रहने वाले देश नहीं रहे। 2014-15 की तुलना में उत्पादन में 174 प्रतिशत की वृद्धि एक असाधारण उपलब्धि है। वर्तमान में भारत 100 से अधिक देशों को रक्षा सामग्री का निर्यात कर रहा है। ब्रह्मोस प्रक्षेपास्त्र, डोर्नियर विमान, हल्के टॉरपीडो और अभेद्य जैकेट जैसे स्वदेशी उत्पादों के खरीदारों में अमेरिका और फ्रांस जैसे विकसित देश भी शामिल हैं। लगभग 24,000 करोड़ रुपये का रक्षा निर्यात यह सिद्ध करता है कि भारतीय रक्षा उत्पादों की गुणवत्ता वैश्विक मानकों पर खरी उतर रही है। स्वदेशी लड़ाकू विमान 'तेजस' की सफलता के बाद, अब भारत और फ्रांस के बीच 114 राफेल विमानों का नया समझौता निर्णायक सिद्ध होने वाला है। इस समझौते के तहत 96 राफेल विमानों का निर्माण भारत में ही होगा, जिसमें 60 प्रतिशत कल-पुर्जे और तकनीक स्वदेशी होगी। सरकार ने 2029 तक रक्षा उत्पादन को 3 लाख करोड़ रुपये और निर्यात को 50,000 करोड़ रुपये तक ले जाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। रक्षा क्षेत्र में 16,000 से अधिक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों का जुड़ना यह दर्शाता है कि सैन्य शक्ति अब केवल सीमाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह देश की अर्थव्यवस्था का भी एक मजबूत स्तंभ बन रही है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

भारत की नई छलांग और संभावनाएं

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

वर्तमान में संपूर्ण विश्व की दृष्टि भारत की राजधानी दिल्ली पर टिकी है, जहां 16 से 20 फरवरी तक 'वैश्विक कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रभाव शिखर सम्मेलन-2026' (ग्लोबल एआई इम्पैक्ट समिट) का आयोजन हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित इस महाकुंभ में 20 शक्तिशाली देशों के राष्ट्राध्यक्षों सहित 100 से अधिक देशों के प्रतिनिधिमंडल और 35 हजार से अधिक विशेषज्ञ सम्मिलित हो रहे हैं। यह सम्मेलन केवल एक आयोजन मात्र नहीं है, बल्कि यह एक उभरते हुए 'डिजिटल भारत' की वैश्विक घोषणा है।

वैश्विक सूचकांक और भारत की स्थिति

हालिया वैश्विक रिपोर्टों के अनुसार, भारत अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में मूक दर्शक नहीं, बल्कि एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभर रहा है। स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के 'ग्लोबल एआई वाइब्रेंसी इंडेक्स' में भारत ने लंबी छलांग लगाते हुए तीसरा स्थान प्राप्त किया है। अमेरिका और चीन के बाद भारत का यह स्थान दर्शाता है कि रणनीतिक रूप से हम सही दिशा में बढ़ रहे हैं। विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, शासन और डिजिटल आधारभूत संरचना में एआई का बढ़ता उपयोग इसे केवल निजी क्षेत्र का उपकरण न बनाकर राष्ट्र निर्माण का मुख्य हिस्सा बना रहा है।

विदेशी निवेश का नया केंद्र

विश्व की दिग्गज तकनीकी कंपनियां भारत की गणितीय क्षमता और युवा जनसांख्यिकी को देखते हुए बड़े निवेश की प्रतिबद्धता जता रही हैं। अमेजॉन ने 2030 तक भारत में 35 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा की है, जबकि माइक्रोसॉफ्ट ने 17.5 अरब डॉलर निवेश करने का संकल्प लिया है, जो पूरे एशिया में इसका सबसे बड़ा निवेश होगा। गूगल और टीपीजी जैसी कंपनियों ने भी अरबों डॉलर के निवेश की योजना बनाई है। मुंबई के पवई में एशिया का सबसे बड़ा 'ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर' (जीसीसी) बनाने के लिए ब्रुकफील्ड एसेट मैनेजमेंट का एक अरब डॉलर का निवेश भारत के बढ़ते वैश्विक कद का प्रमाण है। सरकार ने भी इन केंद्रों को 2047 तक कर-मुक्त (टैक्स फ्री) रखने का साहसिक निर्णय लिया है, जिससे वैश्विक प्रतिभाओं का आकर्षण भारत की ओर बढ़ा है।

आर्थिक लाभ और रोजगार की चुनौतियां

फॉर्च्यून बिजनेस इनसाइट्स के अनुसार, भारत का एआई बाजार 2032 तक 130 अरब डॉलर से अधिक होने का अनुमान है। वर्तमान में देश में लगभग 6 लाख एआई पेशेवर कार्यरत हैं, जिनकी संख्या 2027 तक बढ़कर 12.5 लाख होने की संभावना है। आर्थिक दृष्टिकोण से देखें तो 2030 तक एआई के प्रभावी उपयोग से भारत को लगभग 33.8 लाख करोड़ रुपये का आर्थिक लाभ हो सकता है। हालांकि, नीति आयोग की रिपोर्ट एक गंभीर चुनौती की ओर भी संकेत करती है। जहां एक ओर 2031 तक पारंपरिक नौकरियों के कम होने का अंदेशा है, वहीं 40 लाख नई एआई-आधारित नौकरियां भी सृजित होंगी। यह स्थिति हमारी नई पीढ़ी के लिए 'कौशल उन्नयन' को अनिवार्य बनाती है। इस दिशा में भारत सरकार का कदम सराहनीय है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 से देशभर के स्कूलों में तीसरी कक्षा से ही एआई को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जा रहा है। माइक्रोसॉफ्ट जैसे संस्थान भी 2030 तक दो करोड़ लोगों को एआई कौशल प्रदान करने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं।

आचार्य वर्धमान सागर महाराज ने दी 119वीं दीक्षा, मनोरमा देवी बनीं क्षुल्लिका वासुपूज्यमती

पदमपुरा में 'पाषाण से परमात्मा' बनने की प्रक्रिया बुधवार से; घट यात्रा एवं ध्वजारोहण के साथ होगा भव्य आगाज

जयपुर/पदमपुरा. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में नवनिर्मित खड़गासन चौबीसी जिन प्रतिमाओं के पंचकल्याणक एवं नवनिर्मित 'पद्मबल्लभ शिखर' पर कलश व ध्वजारोहण का पांच दिवसीय भव्य महा-महोत्सव वात्सल्य वारिधि आचार्य 108 वर्धमान सागर जी, गणिनी आर्यिका 105 सरस्वती माताजी एवं गणिनी आर्यिका 105 स्वस्तिभूषण माताजी के पावन सानिध्य में आयोजित होगा। महोत्सव के पूर्व सोमवार को आचार्य वर्धमान सागर महाराज ने अपनी 119वीं दीक्षा के रूप में 72 वर्षीय मनोरमा देवी जैन को क्षुल्लिका दीक्षा प्रदान की। भगवान वासुपूज्य के जन्म व तप कल्याणक के पावन अवसर पर दीक्षार्थी का नामकरण 'क्षुल्लिका वासुपूज्यमती' किया गया। आचार्य श्री अब तक 42 मुनि, 45

आर्यिका, 2 ऐलक, 16 क्षुल्लक एवं 14 क्षुल्लिका दीक्षाएं (इस दीक्षा सहित) प्रदान कर चुके हैं। समिति अध्यक्ष सुधीर कुमार जैन एवं मानद मंत्री हेमंत सोगानी ने बताया कि बुधवार से महोत्सव का शुभारंभ विशाल घट यात्रा के साथ होगा, जिसमें 1008 महिलाएं पीली साड़ियों में मंगल कलश लेकर शामिल होंगी।

ध्वजारोहण एवं उद्घाटन: ध्वजारोहण पुष्पलता काला एवं विवेक-आशा काला परिवार द्वारा किया जाएगा। मण्डप का उद्घाटन अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी के अध्यक्ष सुधांशु-ऋतु कासलीवाल करेंगे।

प्रमुख पात्र: महोत्सव में भगवान के माता-पिता बनने का सौभाग्य महावीर-शशि पहाड़िया और सौधर्म इंद्र का सौभाग्य सुरेंद्र-मृदुला पांड्या को प्राप्त हुआ है।

शिखर कलश एवं ध्वज: पद्मबल्लभ शिखर पर कलश एवं ध्वजारोहण आर.के. मार्बल ग्रुप के अशोक-सुशीला, सुरेश-शांता एवं विमल-तारिका पाटनी (किशनगढ़) द्वारा किया जाएगा। 111 फीट की धर्म ध्वजा राजेंद्र-सुमन छाबड़ा (गुवाहाटी) एवं सरोज-सरिता बगड़ा (सेलम) द्वारा प्रदान की गई है।

पंचकल्याणक की मुख्य तिथियाँ:

18 फरवरी (बुधवार): गर्भ कल्याणक, घट यात्रा, ध्वजारोहण एवं माता की गोद भराई।

19 फरवरी (गुरुवार): जन्म कल्याणक एवं पांडुक शिला पर 1008 कलशों से जन्माभिषेक।

20 फरवरी (शुक्रवार): तप कल्याणक संस्कार।

21 फरवरी (शनिवार): केवलज्ञान कल्याणक।

22 फरवरी (रविवार): मोक्ष कल्याणक एवं आचार्य श्री द्वारा एक और जैनेश्वरी दीक्षा प्रदान की जाएगी।

संयोजक राजकुमार कोठ्यारी ने बताया कि सन 1980 में आचार्य कल्प श्रुतसागर जी की प्रेरणा से मूलनायक भगवान पद्मप्रभु की 27 फीट की प्रतिमा विराजित की गई थी। अब प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ से 24वें तीर्थंकर महावीर स्वामी तक की सभी नवीन खड़गासन प्रतिमाओं का पंचकल्याणक संपन्न हो रहा है। मीडिया प्रभारी विनोद जैन कोटखावदा एवं राजेश पंचोलिया के अनुसार, जयपुर से पदमपुरा आने-जाने के लिए समाज हेतु निःशुल्क बसों की व्यवस्था की गई है।

महाशिवरात्रि पर 'हर-हर महादेव' के जयकारों से गूंज उठे शिवालय

प्रतापनगर. शाबाश इंडिया। प्रतापनगर सेक्टर-8 सहित प्रदेश भर में महाशिवरात्रि का पर्व पारंपरिक हर्षोल्लास और अटूट श्रद्धा के साथ मनाया गया। अमन जैन कोटखावदा ने इस अवसर पर बताया कि भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए माँ पार्वती ने कठिन तपस्या की थी। फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को महादेव ने माँ पार्वती को पत्नी रूप में स्वीकार किया था, इसीलिए इस पावन दिन का विशेष महत्व है। प्रातः काल से ही शिवालयों में महादेव के अभिषेक के लिए भक्तों का तांता लगा रहा। शिव भक्तों ने कतारबद्ध होकर महादेव को बिल्वपत्र, धतूरा, आंकड़ा, पुष्प, जल, दूध, शहद, दही और भांग सहित अन्य पूजन सामग्री अर्पित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। संपूर्ण क्षेत्र 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयकारों से गुंजायमान रहा। मंदिरों में विशेष सजावट की गई और भक्तों ने सुख-समृद्धि की कामना की।

हमारे ग्रुप के कर्मठ कार्यकर्ता

शशि जी निवाई संभाग की अध्यक्ष को जन्म दिन की शुभकामनायें एवं हार्दिक बधाई

शुभेच्छु

शकुंतला जैन बिंदायका (अध्यक्ष), सुनीता गंगवाल (सचिव), उर्मिला जैन (कोषाध्यक्ष)

एवं समस्त सदस्य दिगम्बर जैन महासमिति महिला अंचल, राजस्थान

सहयोगी शिक्षा इंसान को भगवान बना देती है: मुनि विनम्र सागर

आचार्य विद्यासागर महाराज के शिष्य मुनि विनम्र सागर महाराज का जयपुर में हुआ प्रथम मंगल प्रवेश

महावीर स्कूल में आयोजित हुई धर्मसभा

जयपुर. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्य 108 विद्यासागर महाराज के दीक्षित एवं नवाचार्य समय सागर महाराज के आज्ञानुवर्ती शिष्य मुनिश्री 108 विनम्र सागर महाराज ससंघ (3 पिच्छी) का जयपुर में प्रथम बार सी-स्कीम स्थित महावीर स्कूल में भव्य मंगल प्रवेश हुआ। इस ऐतिहासिक अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। श्री महावीर दिगंबर जैन शिक्षा परिषद के अध्यक्ष उमराव मल संघी एवं मानद मंत्री सुनील बख्शी ने बताया कि मुनिसंघ के वर्धमान पथ होते हुए स्कूल पहुँचने पर मुख्य द्वार पर कमेटी द्वारा मुनिसंघ की मंगल आरती उतारकर भव्य अगवानी की गई। विद्यालय के अवलोकन के पश्चात डोम में धर्मसभा का आयोजन हुआ। मुनिसंघ के मंचासीन होने के उपरांत णमोकार महामंत्र के साथ मंगलाचरण किया गया। तत्पश्चात परिषद के अध्यक्ष उमराव मल संघी, उपाध्यक्ष मुकुल कटारिया, मानद मंत्री सुनील बख्शी, कोषाध्यक्ष महेश काला, संयुक्त मंत्री कमल बाबू जैन एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। शिक्षा परिषद कमेटी द्वारा पाद प्रक्षालन कर पुण्यार्जन किया गया। इस अवसर पर मुनि भक्त सुशील पहाड़िया, पारस कासलीवाल, राजेंद्र सेठी, पदम पाटनी, शीतल कटारिया, राजीव जैन (गाजियाबाद), राजीव पाटनी, विनोद जैन कोटखावदा, पदम चंद बिलाला, सुरेंद्र मोदी, नवीन सांघी, रमेश बोहरा एवं संजय पाटनी आदि गुरुभक्तों ने जयपुर जैन समाज एवं 'श्री मुनि सेवा समिति, बापूनगर' की ओर से श्रीफल भेंट कर भट्टारक जी की नसियाँ में प्रवेश हेतु निवेदन किया। अध्यक्ष उमराव मल संघी ने स्वागत उद्बोधन दिया, वहीं मानद मंत्री सुनील बख्शी ने महावीर स्कूल की स्थापना से लेकर वर्तमान प्रगति तक की जानकारी साझा की। बापूनगर समिति के अध्यक्ष राजीव जैन ने आगामी विशाल जुलूस और धर्मसभा के आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की।

मुनिश्री का मंगल उद्बोधन: धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि विनम्र सागर महाराज ने कहा– 'ज्ञान की ज्योति जीवंत बनी रहनी चाहिए। ज्ञान वह माध्यम है जिससे भूत, वर्तमान और भविष्य को देखा जा सकता है। शिक्षक की मेहनत से ही आदर्श विद्यार्थी का निर्माण होता है।' उन्होंने आगे कहा– 'शिक्षक और सैनिक पैदा नहीं होते, बल्कि वे अवतार लेते हैं। गुरु के बिना समाज की स्थिति जंगल के समान हो जाती है; एक योग्य शिक्षक ही महान गुरुओं को जन्म देता है।' मुनिश्री ने किताबी ज्ञान के साथ 'सहयोगी शिक्षा' पर जोर देते हुए कहा कि सहयोगी शिक्षा इंसान को भगवान बना देती है। इससे छात्र-छात्राओं में दया, क्षमा, सरलता और करुणा जैसे भाव जागृत होते हैं। यदि बौद्धिक विकास तो हो जाए लेकिन चेतना न जगे, तो वह मार्ग आतंकवाद की ओर ले जाता है। उन्होंने आचार्य विद्यासागर महाराज के 'सात स्वस्थ बिंदुओं'– स्वस्थ तन, मन, वचन, वतन, वन, चेतन और वेतन पर भी विस्तृत प्रकाश डाला। मंच संचालन कमल बाबू जैन ने किया। मुनि भक्तों के अनुसार, भट्टारक जी की नसियाँ के पश्चात मुनिसंघ का जयपुर की विभिन्न कॉलोनियों में प्रवास रहेगा।

अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में पंचकल्याणक की तैयारियाँ अंतिम चरण में

आचार्य वर्धमान सागर एवं गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी के सानिध्य में 18 से 22 फरवरी तक होगा पंचकल्याणक महोत्सव

जयपुर/पदमपुरा. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा में बुधवार, 18 फरवरी से रविवार, 22 फरवरी तक नवनिर्मित खड्गासन चौबीसी जिन प्रतिमाओं के पंचकल्याणक एवं नवनिर्मित 'पद्मबल्लभ शिखर' पर कलश व ध्वजारोहण का भव्य महा-महोत्सव आयोजित होने जा रहा है। यह आयोजन वात्सल्य वारिधि आचार्य 108 वर्धमान सागर जी महाराज, गणिनी आर्यिका 105 सरस्वती माताजी एवं गणिनी आर्यिका 105 स्वस्तिभूषण माताजी के पावन सानिध्य में संपन्न होगा। पदमपुरा प्रबंध समिति एवं पंचकल्याणक समिति के अध्यक्ष सुधीर कुमार जैन तथा मानद मंत्री हेमंत सोगानी ने बताया कि विगत दिनों आचार्य श्री ने नवनिर्मित खड्गासन प्रतिमाओं का अवलोकन किया। महोत्सव के लिए सभी प्रमुख पात्रों का चयन पूर्ण हो चुका है। प्रचार संयोजक सुरेश सबलावत के अनुसार, नवनिर्मित पद्मबल्लभ शिखर पर कलश एवं ध्वजारोहण आर.के. मार्बल ग्रुप (किशनगढ़) के अशोक-सुशीला, सुरेश-शांता एवं विमल-तारिका पाटनी द्वारा किया जाएगा। महोत्सव हेतु 111 फीट की विशाल धर्म ध्वजा राजेंद्र-सुमन छाबड़ा (गुवाहाटी) एवं सरोज-सरिता बगड़ा (सेलम) द्वारा प्रदान की गई है। संयोजक राजकुमार कोठ्यारी ने बताया कि सन 1980 में आचार्य कल्प श्रुतसागर जी की प्रेरणा से मूलनायक भगवान पद्मप्रभु की 27 फीट की खड्गासन प्रतिमा कोठ्यारी परिवार द्वारा विराजित की गई थी। अब प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ से अंतिम तीर्थंकर महावीर स्वामी तक की सभी नवीन खड्गासन प्रतिमाओं का पंचकल्याणक होने जा रहा है, जिसके पुण्यशाली परिवारों में राजकुमार पाटनी, रमेशचंद जैन, नरेंद्र काला सहित समाज के अनेक श्रेष्ठीजन शामिल हैं। महोत्सव में जयपुर से आने-जाने के लिए समाज हेतु निःशुल्क बसों की व्यवस्था की गई है। राजस्थान शासन के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों को भी कार्यक्रम में अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है।

डीएवी जयपुर के संगीत शिक्षक 'भानु कुमार राव' ने जीता अखिल भारतीय वैदिक संगीत संगोष्ठी का प्रथम पुरस्कार

जयपुर. शाबाश इंडिया

महर्षि दयानंद सरस्वती जी के जन्म दिवस के पावन अवसर पर, प्रतिवर्ष आर्य सर्वदेशिक प्रतिनिधि सभा द्वारा आयोजित होने वाली 'अखिल भारतीय वैदिक संगीत संगोष्ठी' में इस वर्ष डीएवी जयपुर के संगीत शिक्षक श्री भानु कुमार राव ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय और शहर का मान बढ़ाया है। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में संपूर्ण भारत के डीएवी संस्थानों के 135 से अधिक संगीत शिक्षकों ने भाग लिया था। श्री भानु कुमार राव ने अपनी उत्कृष्ट गायन प्रतिभा के बल पर प्रथम पुरस्कार और 11,000 रुपए की नकद राशि जीतकर संस्थान को गौरवान्वित किया। डीएवी विद्यालय, जयपुर के प्राचार्य श्री अशोक कुमार शर्मा ने विद्यालय की प्रार्थना सभा में भानु कुमार राव जी की इस उपलब्धि की प्रशंसा करते हुए उन्हें अनेकानेक शुभकामनाएँ दीं और सम्मानित किया।

श्रद्धा और उत्साह से मनाया गया महाशिवरात्रि का पर्व

ऐलनाबाद. शाबाश इंडिया

महाशिवरात्रि का पवित्र त्यौहार आज ऐलनाबाद में बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। सुबह पांच बजे से ही शिवालयों में श्रद्धालुओं का पहुँचना शुरू हो गया था, जो सिलसिला दिनभर अनवरत चलता रहा। शिव मंदिरों में भोले बाबा का अभिषेक पूरी श्रद्धा और विधि-विधान के साथ किया गया। ऐलनाबाद शहर के नोहर रोड स्थित शिवपुरी (कल्याण भूमि) शिव मंदिर और हनुमानगढ़ रोड स्थित भूतेश्वर नाथ महादेव शिवालय में प्रातः काल से ही विशेष पूजा-अर्चना की गई। मंदिरों में पुजारियों ने मंत्रोच्चारण के साथ श्रद्धालुओं से दूध, दही, गन्ने के रस, फल, फूल और बेलपत्र अर्पित करवाकर पूजन संपन्न करवाया। संपूर्ण क्षेत्र 'हर-हर महादेव' के जयकारों से गुंजायमान रहा। अभिषेक के पश्चात शिवलिंग पर जल अर्पित करने के लिए श्रद्धालुओं की लंबी-लंबी कतारें देखी गईं। भक्तों ने बड़ी आस्था के साथ जलाभिषेक किया और सुख-समृद्धि की मंगल कामना की। इस पावन अवसर पर मंदिरों को भव्य रूप से सजाया गया था। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, महाशिवरात्रि पर भोले बाबा के दर्शन का विशेष महत्व है और ऐसी मान्यता है कि आज के दिन सच्चे मन से की गई प्रार्थना से मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। मंदिर में पूजा करने आए श्रद्धालुओं ने साझा किया कि वे वर्षों से यहाँ दर्शन के लिए आ रहे हैं और भोले बाबा उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। मंदिर के पुजारी ने बताया कि महाशिवरात्रि का पर्व भगवान शिव के विवाह उत्सव के रूप में मनाया जाता है। आज के दिन गंगाजल, दूध, गन्ने के रस, शहद और बेलपत्र से पूजन करने पर महादेव शीघ्र प्रसन्न होकर सुख-समृद्धि का आशीर्वाद प्रदान करते हैं।

नवागढ़ में श्रद्धा-भक्ति के साथ जारी है 46 दिवसीय विशेष जाप्यानुष्ठान एवं श्री अरनाथ महामंडल विधान

ललितपुर. शाबाश इंडिया

प्रागैतिहासिक दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र नवागढ़ में इन दिनों गहन श्रद्धा और आध्यात्मिक वातावरण के बीच 46 दिवसीय विशेष जाप्यानुष्ठान एवं श्री 1008 अरनाथ महामंडल विधान का भव्य आयोजन चल रहा है। यह आयोजन बाल ब्रह्मचारिणी मानी दीदी के सानिध्य में तथा ब्र. जय कुमार जी 'निशांत' भैया के निर्देशन में संपन्न हो रहा है। आयोजन के अंतर्गत 46 दिनों तक चलने वाले विशेष जाप्यानुष्ठान में विभिन्न जीवन समस्याओं के समाधान हेतु विशिष्ट जाप मंत्रों, शांतिधारा एवं श्री अरनाथ महामंडल विधान का अनुष्ठान किया जा रहा है। श्रद्धालु बड़ी संख्या में सहभागिता कर आध्यात्मिक लाभ अर्जित कर रहे हैं। प्रचारमंत्री डॉ. सुनील संचय ने जानकारी देते हुए बताया कि यह विशेष अनुष्ठान 07 जनवरी से 22 फरवरी तक आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि वे भगवान अरनाथ स्वामी की आराधना कर संयममय जीवन, तपश्चरण तथा निरोगी काया का पुण्य अर्जित करें।

विद्वानों के प्रेरक विचार

बाल ब्रह्मचारिणी मानी दीदी ने अपने उद्बोधन में कहा– 'जाप और विधान केवल धार्मिक क्रियाएँ नहीं हैं, बल्कि आत्मशुद्धि और आत्मोन्नति का मार्ग हैं। जब साधक श्रद्धा और संयम के साथ आराधना करता है, तो उसका जीवन स्वतः ही शांति और संतुलन से भर जाता है।' ब्र. जय कुमार जी 'निशांत' भैया ने कहा– 'यह 46 दिवसीय जाप्यानुष्ठान आत्मिक शक्ति जागरण का विशेष अवसर है। ऐसे आयोजनों से समाज में संस्कार, संयम और अहिंसा की भावना सुदृढ़ होती है।' महामंत्री वीरचन्द्र जैन ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी श्रद्धालुओं, साधकों एवं समिति सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। आयोजन में नवागढ़ गुरुकुलम के छात्र भी उत्साहपूर्वक सम्मिलित हो रहे हैं।

20 से 22 फरवरी तक होगा भव्य महामस्तकाभिषेक

प्रचारमंत्री डॉ. सुनील संचय ने बताया कि 20 से 22 फरवरी तक नवागढ़ तीर्थक्षेत्र में महामस्तकाभिषेक एवं अरनाथ भगवान निर्वाण लाडू महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह गरिमामय अनुष्ठान मुनि श्री समत्वसागर जी महाराज एवं मुनि श्री शीलसागर जी महाराज के सानिध्य में तथा ब्र. जयनिशांत जी के निर्देशन में संपन्न होगा। इस अवसर पर विश्व शांति महायज्ञ, महिला सम्मेलन, मुनि श्री शीलसागर जी महाराज का दीक्षा दिवस समारोह, विद्यावर्धन संस्कार एवं विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

रावतसर में महाशिवरात्रि का भव्य उत्सव: भक्ति, आस्था और श्रद्धा का अद्भुत संगम

रावतसर (नरेश सिगची). शाबाश इंडिया

रावतसर-सरदारशहर सड़क मार्ग पर स्थित पूज्य संत महंत प्रेमनाथ जी महाराज के पावन आश्रम में महाशिवरात्रि का पर्व अपार श्रद्धा, उल्लास और आध्यात्मिक ऊर्जा के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर आश्रम परिसर पूरी तरह शिवमय वातावरण में डूबा नजर आया। चारों ओर 'हर-हर महादेव' और 'बम-बम भोले' के जयघोष गूंजते रहे, जिससे संपूर्ण वातावरण भक्तिरस में सराबोर हो उठा। आश्रम के वर्तमान महंत बालकनाथ जी महाराज के सानिध्य में बाहर से पधारे संत-महात्माओं ने भगवान शिव की महिमा का गुणगान किया। मधुर और हृदयस्पर्शी भजनों की प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। भक्ति की ऐसी रसधारा बही कि श्रद्धालु देर रात तक कीर्तन, जप और पूजा-अर्चना में लीन रहे। महाशिवरात्रि के अवसर पर रावतसर क्षेत्र सहित हरियाणा और पंजाब से भी सैकड़ों श्रद्धालु आश्रम पहुंचे। भक्तों की अटूट आस्था और उत्साह देखते ही बनता था। भारी भीड़ ने यह सिद्ध कर दिया कि श्रद्धा और विश्वास लोगों को एक सूत्र में पिरो देता है। श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सभी ने प्रेमपूर्वक प्रसाद ग्रहण किया। सेवादारों ने पूरी निष्ठा और समर्पण भाव से व्यवस्थाएं संभालीं, जिससे आयोजन अत्यंत सुव्यवस्थित रहा। सेवा और सहयोग की भावना हर दृश्य में स्पष्ट झलक रही थी। आश्रम स्थित शिवालय को रंग-बिरंगी रोशनी और भव्य पुष्प सज्जा से अलंकृत किया गया था। जगमगाती लाइटों और मनोहारी सजावट ने पूरे परिसर को दिव्य आभा से आलोकित कर दिया। ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो स्वयं देवाधिदेव महादेव अपने भक्तों पर कृपा दृष्टि बरसा रहे हों। रावतसर स्थित गीता भवन शिव मंदिर में भी महाशिवरात्रि पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। यहाँ भी विशेष पूजा-अर्चना और भंडारे का आयोजन किया गया। श्रद्धालु पूरे उत्साह और भक्ति भाव से कार्यक्रमों में शामिल हुए। रावतसर में उमड़ी श्रद्धालुओं की यह भीड़ और भक्तिमय वातावरण एक बार फिर संदेश दे गया कि सच्ची श्रद्धा समाज को जोड़ने की अद्भुत शक्ति रखती है।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

'त्वं शंकरोऽसि भुवन-त्रय-शंकरत्वात्'

महल योजना स्थित जैन मंदिर में दो दिवसीय वार्षिकोत्सव सानंद संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

महल योजना स्थित जैन मंदिर में दो दिवसीय वार्षिकोत्सव अत्यंत भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम समन्वयक अभिषेक सांघी ने बताया कि जैन दर्शन के अनुसार देवाधिदेव आदिनाथ भगवान को समर्पित भक्तामर स्तोत्र में उन्हें 'शंकर' संबोधित किया गया है, क्योंकि वे तीनों लोकों का कल्याण (शं) करने वाले हैं। शिव का वास्तविक अर्थ वह मोक्ष अवस्था है जहाँ कोई दुःख न हो, जो पूर्णतः शांत और आनंदमय हो; इस दृष्टि से तीनों लोक शिवमय हैं। महोत्सव के दौरान श्रमण संस्कृति संस्थान से आमंत्रित बालिकाओं ने सुमधुर भजनों की प्रस्तुति देकर उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। भक्ति के इस पावन अवसर पर धमार्नुरागी बंधुओं ने पूर्ण श्रद्धा भाव से भक्तामर स्तोत्र के प्रत्येक 48 श्लोक के साथ दीप प्रज्ज्वलित किए।

नवनिर्वाचित प्रबंधकारिणी समिति की घोषणा

शाबाश इंडिया

आज श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर, शांति नगर में श्रीमान पदमचंद जी भौंसा की अध्यक्षता एवं चुनाव अधिकारी श्रीमान भानू जी छाबड़ा के कुशल निर्देशन में प्रबंधकारिणी समिति के द्विवार्षिक चुनाव सर्वसम्मति से संपन्न हुए।

सभा में आगामी कार्यकाल के लिए निम्न पदाधिकारियों एवं सदस्यों को निर्विरोध निर्वाचित किया गया है... अध्यक्षः श्री सुशील जी गोधा, उपाध्यक्षः श्री नरेंद्र जी बड़जात्या, मंत्रीः श्री सुनील बिलाला, संयुक्त मंत्रीः श्री शैलेष जी पांड्या, कोषाध्यक्षः श्री नवल किशोर जी झांझरी।

कार्यकारिणी सदस्यः श्री शांति जी काला, श्री सुधीर जी पाटनी, श्री टीकम चंद जी ठोलिया, डॉ. प्रमोद जी जैन, श्री विजय जी सोगानी (BCS)। सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों और सदस्यों को समाज की ओर से बहुत-बहुत बधाई एवं मंगल शुभकामनाएँ। आशा है कि आप सभी के नेतृत्व में मंदिर जी की व्यवस्थाएँ और धर्म प्रभावना नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेगी।

जीते जी दो रोटी नहीं, मृत्यु पर देसी घी का भोजः हमारे समाज की विडंबना

नितिन जैन

हमारे समाज की एक विचलित करने वाली सच्चाई इस दोहे में पूरी तरह समाहित है ''दो रोटी के वास्ते, मरता था जो रोज। मरने पर उसके हुआ, देशी घी का भोज।।'' ये पंक्तियाँ केवल शब्द नहीं हैं, बल्कि हमारे खोखले सामाजिक व्यवहार और दोहरे मापदंडों पर एक करारा व्यंग्य हैं। यह लेख उस संवेदना पर प्रश्नचिह्न लगाता है जो किसी व्यक्ति के जीवित रहते नहीं जागती, लेकिन उसकी मृत्यु के बाद 'प्रदर्शन' के रूप में अचानक उमड़ पड़ती है।

जीवित की उपेक्षा, मृतक का दिखावा

जिस व्यक्ति ने जीवन भर दो वक्त की रोटी के लिए संघर्ष किया, जिसकी आर्थिक तंगी और पीड़ा को किसी ने गंभीरता से नहीं लिया, जिसकी सहायता के लिए कभी कोई हाथ आगे नहीं बढ़ा; उसी की मृत्यु के बाद समाज दिखावे के लिए भव्य भोज आयोजित करता है। यह कैसी मानवता है? जब वह व्यक्ति जीवित था, तब उसकी भूख किसी को दिखाई नहीं दी। जब उसने मदद मांगी, तब सबके पास व्यस्तता के बहाने थे। जब वह बीमारी से जूझ रहा था, तब किसी के पास समय नहीं था। लेकिन प्राण पखेरू उड़ते ही हम अचानक 'संवेदनशील' हो गए। देसी घी का भोजन, विशाल भीड़ और ऊँची-ऊँची बातें – यह सब उस मृत व्यक्ति के प्रति सम्मान नहीं, बल्कि जीवित समाज का आत्म-प्रदर्शन है।

दिखावे का श्राद्ध बनाम सच्ची सहायता

यह किसी एक व्यक्ति की व्यथा नहीं, बल्कि हमारे समूचे समाज का आईना है। हम अक्सर जीवित लोगों की अपेक्षा मृतकों पर अधिक धन और समय व्यय करते हैं। यदि मृत्यु भोज और दिखावे के आयोजनों पर खर्च किए जाने वाले धन का एक छोटा सा अंश उस व्यक्ति के जीवनकाल में उसके इलाज, पोषण या अन्य मूलभूत आवश्यकताओं पर लगा दिया जाता, तो शायद उसका जीवन कुछ सुगम हो सकता था। सच्ची श्रद्धांजलि तामझाम, बड़े पंडालों और पकवानों में नहीं होती; बल्कि समय पर की गई निस्वार्थ सहायता में होती है। हमें यह समझने की आवश्यकता है कि संवेदनाएं औपचारिकता नहीं, बल्कि व्यवहार का विषय हैं।

धर्म और मानवता का वास्तविक मार्ग

किसी के जीते जी उसका हाथ थामना, उसके दुःख को साझा करना और उसके संघर्ष में सहभागी बनना ही वास्तविक धर्म है। मरने के बाद भव्य भोज करना बहुत आसान है, क्योंकि उसमें केवल धन खर्च होता है, भावना नहीं। कठिन है तो किसी जीवित व्यक्ति के संघर्ष को समझना और उसमें सहयोग करना।

यही हमारा वास्तविक कर्तव्य भी है। हमें यह निर्णय स्वयं करना होगा कि हम केवल समाज को दिखाने के लिए संवेदनशील बनेंगे या वास्तव में किसी की जिंदगी में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास करेंगे। यदि हम समय रहते अपनी संवेदनाओं को जागृत कर लें, तो न जाने कितने संघर्षपूर्ण जीवन संवर सकते हैं। यदि हम जीवित का सम्मान करना सीख जाएं, तो शायद भविष्य में ऐसे मार्मिक दोहे लिखने की आवश्यकता ही न पड़े।

नितिन जैन
संयोजक – जैन तीर्थ श्री पार्श्व पद्मावती धाम, पलवल (हरियाणा)
जिलाध्यक्ष – अखिल भारतीय अग्रवाल संगठन, पलवल सम्पर्कः 9215635871

पत्रकार व समाजसेवी

रोहित कीर्ति बडजात्या

को शादी की सालगिरह की हार्दिक शुभकामनाएं

शुभेच्छुः चंचल देवी, नवीन विनीता, कमल मधु, राकेश सरोज, मनीष नीरज, नवीन मीनाक्षी, राहुल मोनिका, वैभव , अर्चित, विविधा नेहल, कीर्तिका, आदित्य, हार्दिक, गहना, इशिता, मानवी, अनिका, दविश, दक्ष, दीक्षा, (ईशान सत्यार्थ), एवं समस्त बडजात्या परिवार नसीराबाद, जतन जी पंसारी, (जैन टिफिन सेन्टर) राहुल जैन 9413135797)

(ब्यूरो चीफ अहिंसा क्रांति समाचार पत्र) (सुरभि सलोनी समाचार पत्र)(शाबाश इंडिया समाचार पत्र) (अनोखी पत्रिका समाचार पत्र) रोहित जैन(8575455555) नसीराबाद

जेएसी मुरैना जागृति और जैन महिलाओं ने दिए ढेरों उपहार

जरूरतमंद परिवार की मदद को एक बार फिर बढ़ाया हाथ

मुरैना (मनोज जैन नायक). शाबाश इंडिया

पीड़ित मानव सेवा एवं जरूरतमंद परिवारों की सहायता के लिए सदैव तत्पर महिलाओं के संगठन ने एक बार फिर अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। महिलाओं के स्वयंसेवी संगठन जेएसी मुरैना जागृति और जैन समाज की सेवाभावी महिलाओं ने एक जरूरतमंद परिवार की बेटी के विवाह में सहयोग कर अपने सेवा संकल्प को साकार किया। महिलाओं ने परिवार को न केवल नकद राशि प्रदान की, बल्कि गृहस्थी में उपयोगी अनेक उपहार भी भेंट किए। जेएसी मुरैना जागृति की फाउंडर प्रेसिडेंट भावना जैन को कुछ दिन पूर्व आर्थिक रूप से कमजोर एक परिवार की बेटी के विवाह में सहयोग का प्रस्ताव मिला। हमेशा की तरह सकारात्मक पहल करते हुए उन्होंने यह विषय संगठन की पदाधिकारियों और सदस्यों के समक्ष रखा। सभी ने सहर्ष सहयोग का निर्णय लिया। इसके साथ ही जैन समाज की अन्य सेवाभावी महिलाओं से भी संपर्क किया गया, जिन्होंने भी इस नेक कार्य में साथ देने का आश्वासन दिया। इसके बाद सभी महिलाएं पूरी लगन के साथ विवाह हेतु आवश्यक सामग्री जुटाने में जुट गईं। देखते ही देखते उपहारों का अंबार लग गया। इसके अतिरिक्त महिलाओं ने 5100 रुपये की नकद राशि भी बेटी को प्रदान की। बारात के स्वागत के लिए दरवाजे पर रखे जाने वाले बर्तन आचार्य आनंद क्लब, अम्बाह की ओर से उपलब्ध कराए गए।

सोमवार को जेएसी मुरैना जागृति और जैन समाज की महिलाओं ने ये सभी उपहार एवं नकद राशि परिवार को सौंपी। आर्थिक तंगी के बीच अपेक्षा से अधिक सहयोग पाकर परिवार के सदस्य भावुक हो उठे। समाजसेवी महिलाओं द्वारा भेंट किए गए उपहारों में एक अलमारी, एक डायनिंग टेबल, डिनर सेट, दरवाजे के बर्तन, डेढ़ दर्जन साड़ियां, लहंगा, मेकअप किट, ज्वेलरी सेट, चांदी के आभूषण, चांदी का सिक्का सहित गृहस्थी में उपयोगी अन्य सामग्री शामिल है। महिलाओं ने कहा कि जरूरतमंदों की सहायता का उनका संकल्प आगे भी निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने कहा, ''ईश्वर ने यदि हमें इस योग्य बनाया है तो यह हमारा सौभाग्य है। समाज में जो लोग सक्षम हैं, उन्हें सदैव सहयोग के लिए तत्पर रहना चाहिए।'' इस अवसर पर जेएसी परिवार की नीता बांदिल, सपना बंसल एवं श्वेता उपस्थित रहीं।

पदमपुरा पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव
: पावन सान्निध्य :
वात्सल्य वारिधि पंचम पट्टाचार्य
108 श्री वर्धमानसागर जी महाराज ससंघ
पधारो पदमपुरा बाड़ा
18 से 22 फरवरी 2026
फाल्गुन शुक्ल एकम् से पंचमी विक्रम संवत् 2082, बी.नि. 2552
: पावन प्रेरणा :
गणिनी आर्यिका
105 श्री सरस्वती माताजी ससंघ
गणिनी आर्यिका
105 श्री स्वस्ति भूषण माताजी ससंघ
पंचकल्याणक महोत्सव के पात्र
पंचकल्याणक महोत्सव के स्वर्णिम पल
पंचकल्याणक महोत्सव के सहभागी
ध्वजारोहण – गर्भकल्याणक
बुधवार, 18 फरवरी 2026
जन्म कल्याणक
गुरुवार, 19 फरवरी 2026
तप कल्याणक
शुक्रवार, 20 फरवरी 2026
केवल्य ज्ञान कल्याणक
शनिवार, 21 फरवरी 2026
मोक्ष कल्याणक
रविवार, 22 फरवरी 2026
जैनेश्वरी दीक्षा समारोह
प्रातः 8.30 बजे
खड्गासन चौबीसी के पुण्यार्जक
आमंत्रित गणमान्य अतिथि
आमंत्रित न्यायिक अधिकारीगण
आमंत्रित प्रशासनिक अधिकारीगण
अतिथिगण
आमंत्रित संस्थाएं
श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा जयपुर पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव पदाधिकारी एवं समितियाँ
निवेदक
प्रबंध समिति श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा, जयपुर
महोत्सव कार्यालय
छतरीवाला संभाग, भट्टारक जी की नसियां, जयपुर
मो. : 94140 48432, 98290 64506
पदमपुरा पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति
(अन्तर्गत श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा जयपुर, राजस्थान)
क्षेत्रीय कार्यालय
बाड़ा पदमपुरा, टोंक रोड, जयपुर
मो. : 90579 03365

फिटनेस और सकारात्मक जीवनशैली का संदेश बना "जस्ट ट्रेक-ए हेल्दी ब्रेक"

जीतो भीलवाड़ा लेडीज विंग की पहल: स्मृति वन में उमड़ा महिलाओं का उत्साह

प्रकृति के बीच ट्रेकिंग से मिला मानसिक शांति और आत्मविश्वास का संचार

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

'जीतो भीलवाड़ा लेडीज विंग' द्वारा सामुदायिक संपर्क (कम्युनिटी कनेक्ट) पहल के अंतर्गत हरनी महादेव रोड स्थित स्मृति वन में ''जस्ट ट्रेक- ए हेल्दी ब्रेक'' कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। रविवार प्रातः 6:30 बजे आयोजित इस ट्रेकिंग अभियान में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लेकर फिटनेस, आत्मविश्वास और सकारात्मक जीवनशैली का सामूहिक संदेश दिया।

प्रकृति के सान्निध्य में ऊर्जा का संचार

प्राकृतिक हरियाली और स्वच्छ वायु के बीच आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को दैनिक जीवन की व्यस्तता और तनाव से दूर कर उन्हें मानसिक शांति प्रदान करना था। डॉ. संगीता काबरा की अध्यक्षता में आयोजित इस ट्रेक को आशीष चौधरी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रतिभागियों ने पहाड़ियों के बीच साहसिक गतिविधियों का आनंद लेते हुए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया।

स्वस्थ शरीर से सशक्त समाज: नीता बाबेल

जीतो लेडीज विंग की चेयरपर्सन नीता बाबेल ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से महिलाओं के आत्मबल और सामाजिक जुड़ाव को मजबूती मिलती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि शारीरिक रूप से सक्रिय रहना न केवल स्वस्थ शरीर के लिए आवश्यक है, बल्कि यह संतुलित जीवन दृष्टि और सकारात्मक सोच को भी विकसित करता है।

सुरक्षित और व्यवस्थित संचालन

चीफ सेक्रेटरी अर्चना पटौदी ने बताया कि ट्रेकिंग का संचालन प्रशिक्षक प्रकाश दोसाया एवं सिद्धार्थ राठौड़ द्वारा अत्यंत सुरक्षित और सुव्यवस्थित तरीके से किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों में टीमवर्क और संगठनात्मक एकता का अनूठा उदाहरण देखने को मिला। सदस्यों ने इस अनुभव को प्रेरणादायक बताते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजनों की आवश्यकता जताई।

गरिमामयी उपस्थिति

इस अवसर पर जीतो चेयरपर्सन मीठालाल सिंघवी, कन्वीनर महेंद्र नाहर, ललित बाबेल, नरेंद्र पोखरना, रवि जैन, कमल सोनी सहित स्पोर्ट्स कन्वीनर स्वीटी नैनावटी, को-कन्वीनर अंकिता भूरा, वाइस चेयरपर्सन नीतू चोरड़िया और सचिव अमिता बाबेल उपस्थित रहीं। साथ ही सुलेखा सिसोदिया, किरण चौरड़िया, वनिता बाबेल, रजनी सिंघवी, सोनल मेहता, संध्या पामेचा, आकांशा जैन सहित अनेक गणमान्य सदस्यों और प्रवक्ता सुनील चपलोत ने कार्यक्रम की सफलता में सहयोग प्रदान किया।

भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रभाव शिखर सम्मेलन: प्रधानमंत्री मोदी ने किया जियो दीर्घा का अवलोकन

आकाश अंबानी ने दी 'जियो कृत्रिम बुद्धिमत्ता पारिस्थितिकी तंत्र' की विस्तृत जानकारी

'जियो संस्कृति' से लेकर 'जियो आरोग्य' तक, स्वदेशी नवाचारों ने खींचा ध्यान

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया

राजधानी में आयोजित 'भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) प्रभाव शिखर सम्मेलन' के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रिलायंस जियो की विशेष प्रदर्शनी दीर्घा का दौरा किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने देश को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने की दिशा में जियो द्वारा विकसित किए जा रहे विभिन्न स्वदेशी समाधानों और प्रतिरूपों का सूक्ष्मता से निरीक्षण किया। प्रदर्शनी के भ्रमण के दौरान प्रधानमंत्री ने जियो द्वारा विकसित विशेष प्रणालियों की जानकारी ली, जिनमें प्रमुख हैं: जियो इंटेलिजेंस: उद्योगों और उद्यमों की कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए।

जियो संस्कृति: भारतीय भाषाओं और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को डिजिटल जगत में संजोने हेतु।

जियो आरोग्य: स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ और उन्नत बनाने के लिए।

जियो शिक्षा व जियो स्मार्ट गृह: आधुनिक शिक्षण पद्धतियों और स्मार्ट घर आधारित तकनीक के लिए।

'कृत्रिम बुद्धिमत्ता सबके लिए' का संकल्प

इस अवसर पर रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड के अध्यक्ष आकाश अंबानी ने प्रधानमंत्री को भविष्य के 'तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र' की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जियो किस प्रकार तकनीक को आम भारतीय के जीवन का सहज हिस्सा बनाने की दिशा में अग्रसर है। उल्लेखनीय है कि रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष मुकेश अंबानी निरंतर 'तकनीक सबके लिए' की अवधारणा पर बल देते रहे हैं। उनका मानना है कि किसी भी तकनीक की वास्तविक सफलता तभी है, जब वह बड़े पैमाने पर आम जनता के लिए किफायती और उपयोगी सिद्ध हो। इसी उद्देश्य के साथ जियो शिक्षा, स्वास्थ्य और भाषा जैसे क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता को जन-जन तक पहुँचाने हेतु कार्यरत है।

वैश्विक मंच पर भारतीय नवाचार

इस शिखर सम्मेलन में देश-विदेश की प्रमुख तकनीकी कंपनियों और नीति विशेषज्ञों ने भाग लिया। इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रधानमंत्री द्वारा जियो की प्रदर्शनी का अवलोकन करना यह दर्शाता है कि इस क्षेत्र में भारतीय निजी क्षेत्र की पहल न केवल राष्ट्रीय बल्कि वैश्विक स्तर पर भी अपनी विशेष पहचान बना रही है।

फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक ऑनलाइन सम्पन्नः चयन कमेटी अध्यक्ष वसंत दोशी मनोनीत

जयपुर. शाबाश इंडिया

फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक विपिन गांधी की अध्यक्षता, महेंद्र बंडी के संयोजन एवं कौशल्या पतंग्या, डा श्रेणिक शाह, महेंद्र भाई शाह एवं सुरेंद्र चापावत के निर्देशन में आयोजित की गई। प्रारंभ में ईश वंदना ओर हूमड़ गीत प्रस्तुति से कार्यक्रम का आगाज किया गया। विगत बैठक के मिनिट्स महामंत्री महेन्द्र बंडी ने पढ़े जिनका सभी ने करतल ध्वनि से अनुमोदन किया। सभी ने इंदौर में सम्पन्न हुमड़ प्रीमियर क्रिकेट लीग के कुशल सम्पादन पर मंगलमय शुभकामनाएं दी। संयोजक शरद गोडलिया ने आयोजन का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। अतिथियों ने मासिक मुख पत्र हूमड़ वाणी के एच पी सी एल क्रिकेट विशेषांक का लोकार्पण डिजिटली किया। फेडरेशन की ऐप पर राजेश शाह देवास ने विस्तृत जानकारिया साझा की। फेडरेशन ऑफ हूमड़ जैन समाज के संस्थापक एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अजीत कोठिया ने बताया कि वर्तमान कार्यकारिणी का कार्यकाल 31मार्च 2026को पूरा हो रहा है और नवीन कार्यकारिणी वर्ष 2026-28 के चयन हेतु मनोनयन कमेटी का गठन किया गया। सर्वसम्मति से गठित इस आठ सदस्यीय चयन कमेटी का अध्यक्ष वसंत दोशी अहमदाबाद को मनोनीत किया गया। राजस्थान से इसमें दो सदस्य अशोक बी शाह और प्रवीण जैन लिए गए हैं। बैठक में राजस्थान प्रोविंस का प्रतिनिधित्व धनपाल शाह सरोदा, गोवर्धन लाल जैन कुआं, डा निधि जैन कुशलगढ़ एवं अजीत कोठिया डडूका ने किया। बैठक में अध्यक्ष का कार्यकाल 2 वर्ष से बढ़ा कर 4 वर्ष करने कार्यकारिणी में प्रस्ताव रखा गया जिसे अतिशीघ्र असाधारण जनरल मीटिंग (ए जी एम) आयोजित कर प्रस्तुत किया जाएगा। आय व्यय विवरण कोषाध्यक्ष सुरेंद्र चापावत ने पेश किया।सभा को यशपाल जुआ, संजय भांचावत, दीपक भूता, अंतिम कियावत, निधि जैन, धनपाल शाह सरोदा, वसंत दोशी, महेंद्र शाह एवं अजीत कोठिया ने संबोधित किया। संचालन महेंद्र बंडी ने किया आभार विपिन गांधी ने व्यक्त किया।

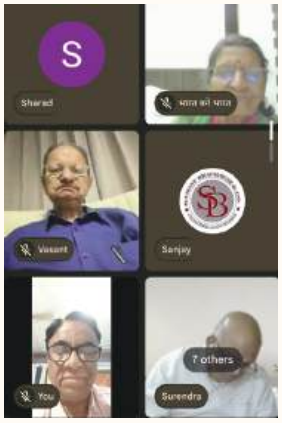

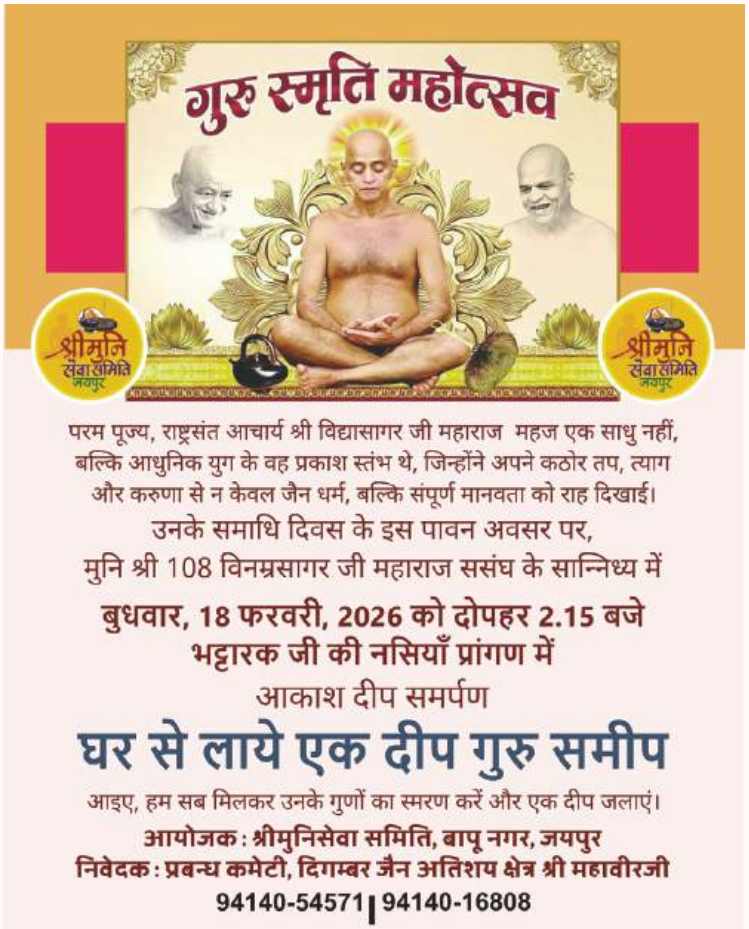

जयपुर हाउस जैन मंदिर में श्रद्धा और भक्ति से मनाया गया उपाध्याय पदारोहण एवं दीक्षा दिवस समारोह

मंदिर स्थापना के 32 वर्ष पूर्ण होने पर उमड़ा जनसैलाब, केंद्रीय मंत्री एस.पी. सिंह बघेल ने प्राप्त किया आशीर्वाद

आगरा. शाबाश इंडिया। श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर, जयपुर हाउस के स्थापना दिवस की 32वीं वर्षगाँठ के सुअवसर पर एक भव्य आध्यात्मिक महोत्सव का आयोजन किया गया। इस पावन बेला में 'मेडिटेशन गुरु' उपाध्याय श्री विहसंत सागर जी महाराज का चतुर्थ 'उपाध्याय पदारोहण दिवस' एवं मुनि श्री विश्वसाम्य सागर जी महाराज का 'मुनि दीक्षा दिवस' अपार हर्षोल्लास और धर्म-प्रभावन के साथ मनाया गया।

भक्तिमय अनुष्ठान और पाद प्रक्षालन

समारोह का शुभारंभ दोपहर 1:00 बजे मंगलाचरण, चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। जयपुर हाउस जैन समाज सहित संपूर्ण आगरा मंडल से आए श्रद्धालुओं ने गुरुवरों के चरणों का पाद-प्रक्षालन कर शास्त्र भेंट किए। संगीतमय वातावरण के बीच भक्तों ने अष्टद्रव्य की सुसज्जित थालियों से पूजन कर गुरु आराधना की। इस दौरान समूचा मंदिर परिसर जयकारों और भक्ति गीतों से गुंजायमान रहा।

पद नहीं, जिम्मेदारी है दीक्षा: उपाध्याय श्री विहसंत सागर जी

अपने मंगल प्रवचनों में उपाध्याय श्री विहसंत सागर जी महाराज ने आत्म-कल्याण और संयम का मार्ग प्रशस्त किया। उन्होंने कहा कि ''दीक्षा और उपाध्याय पद मात्र सम्मान का प्रतीक नहीं, अपितु यह आत्मानुशासन, त्याग और समाज को सन्मार्ग दिखाने का उत्तरदायित्व है।'' वहीं, मुनि श्री विश्वसाम्य सागर जी महाराज के तप और साधना की श्रद्धालुओं ने भावपूर्ण सराहना करते हुए पुष्पांजलि अर्पित की।

केंद्रीय मंत्री ने किया गुरु वंदन

समारोह में भारत सरकार के केंद्रीय राज्यमंत्री एस.पी. सिंह बघेल ने विशेष रूप से उपस्थित होकर गुरु चरणों में श्रीफल अर्पित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे आध्यात्मिक आयोजन समाज में संस्कारों का बीजारोपण करते हैं और सदाचार व सेवा की भावना को सुदृढ़ करते हैं।

इनकी रही सक्रिय सहभागिता

हेमलता जैन की सुमधुर संगीत प्रस्तुतियों और दीपक जैन के कुशल मंच संचालन ने कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए। इस अवसर पर राकेश जैन (पदेवाले), जगदीश प्रसाद जैन, मनोज जैन बाकलीवाल, सुनील जैन (ठेकेदार), मीडिया प्रभारी शुभम जैन सहित स्वास्तिक महिला मंडल, शांतिनाथ महिला मंडल और युवा मंडल के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। समारोह के अंत में समाज के गणमान्य जनों ने गुरुवरों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की और धर्म मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

रिपोर्ट: शुभम जैन

वार्षिक उत्सव का भव्य शुभारंभः 'जैसा कर्म करोगे, वैसा फल मिलेगा': आर्यिका नंदीश्वर मती

मानसरोवर जैन मंदिर में विधान पूजन और ध्वजारोहण के साथ उत्सव की शुरूआत

धर्ममय वातावरण में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब, भक्ति गीतों पर झूमे इंद्र-इंद्राणी

जयपुर. शाबाश इंडिया। मानसरोवर स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर में आर्यिका नंदीश्वर मती माताजी के पावन सानिध्य एवं दीपा दीदी व प्रतिष्ठाचार्य दीपक भैया के कुशल निर्देशन में वार्षिक उत्सव का उत्साहपूर्वक शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के प्रथम दिन प्रातः काल भगवान का अभिषेक और शांतिधारा की गई, जिसके पश्चात मुख्य पुण्यार्जक ओम प्रकाश-रेखा बड़जात्या द्वारा ध्वजारोहण कर महोत्सव का विधिवत आगाज किया गया।

भक्ति और संगीत के बीच महावीर विधान

समारोह के दौरान संगीतमय 'भगवान महावीर विधान' का आयोजन किया गया, जिसमें इंद्र-इंद्राणियों ने अष्टद्रव्य के अर्घ्य समर्पित कर विश्व शांति की मंगल कामना की। इस मांगलिक क्रिया में:

सौधर्म इंद्रः पुरनमल - ललिता अनोपढ़ा

यज्ञ नायक इंद्रः मुकुट, हेमेंद्र - कल्पना सेठी

कुबेर इंद्रः संतोष - मंजू कासलीवाल

सनत कुमार इंद्रः सुधीर - अंजलि बोहरा

पाद-प्रक्षालन का सौभाग्य चौमूं समाज को मिला, जबकि राजेंद्र-रेखा जैन ने शास्त्र भेंट और कृष्णा जैन ने वस्त्र भेंट कर पुण्य लाभ अर्जित किया। रात्रि के सत्र में महिला मंडल द्वारा 'धार्मिक हाउजी' का रोचक आयोजन किया गया, जिसमें खेल-खेल में जैन धर्म के सिद्धांतों की जानकारी दी गई।

प्रवचनः बबूल बोकर आम की इच्छा व्यर्थ

आर्यिका नंदीश्वर मती माताजी ने अपने प्रवचनों में कर्म सिद्धांत की व्याख्या करते हुए कहा कि, ''जैसा करोगे, वैसा भरोगे।'' उन्होंने मार्मिक संदेश देते हुए कहा कि संसार का प्रत्येक प्राणी सुखी होना चाहता है, लेकिन वह दुःख के कारणों को त्यागना नहीं चाहता। माताजी ने उदाहरण दिया कि यदि व्यक्ति बबूल का पेड़ लगाता है, तो उसे काँटे ही मिलेंगे, आम नहीं। विपरीत आचरण करके सुख की अभिलाषा करना व्यर्थ है; सुख का मार्ग केवल संयम और सही कर्मों में निहित है।

आगामी कार्यक्रमः भक्तामर स्तोत्र का दीप पाठ

संगठन मंत्री सुनील जैन गंगवाल ने बताया कि महोत्सव के दूसरे दिन मानस्तंभ वेदी पर विराजमान प्रतिमाओं का इंद्रों द्वारा अभिषेक किया जाएगा। शाम को विशेष आकर्षण के रूप में 'संगीतमय भक्तामर स्तोत्र' का पाठ होगा, जिसमें श्रद्धालु दीपकों के साथ स्तुति करेंगे। इस अवसर पर मंदिर समिति के अध्यक्ष जे.के. जैन, मंत्री ज्ञान बिलाला, सुनील गोधा, अभिषेक जैन, कैलाश सेठी, सतीश कासलीवाल, अरविंद गंगवाल सहित बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य नागरिक और मातृशक्ति उपस्थित रही।य विवरण कोषाध्यक्ष सुरेंद्र चापावत ने पेश किया।सभा को यशपाल जुआ, संजय भांचावत, दीपक भूता, अंतिम कियावत, निधि जैन, धनपाल शाह सरोदा, वसंत दोशी, महेंद्र शाह एवं अजीत कोठिया ने संबोधित किया। संचालन महेंद्र बंडी ने किया आभार विपिन गांधी ने व्यक्त किया।

निवाईः भक्तिभाव से मनाया गया भगवान मुनिसुव्रतनाथ का मोक्ष कल्याणक, मानस्तंभ पर हुआ महाभिषेक

41 फुट ऊँचे मानस्तंभ पर विराजमान जिन प्रतिमाओं की हुई शांतिधारा

सकल दिगंबर जैन समाज ने अष्टद्रव्य के साथ की पूजा-अर्चना

निवाई. शाबाश इंडिया

सकल दिगंबर जैन समाज द्वारा सोमवार को जैन नसियां मंदिर में भगवान मुनिसुव्रतनाथ जी का मोक्ष कल्याणक दिवस पूरी श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर में स्थित 41 फुट ऊँचे मानस्तंभ पर विराजमान चारों दिशाओं की जिन प्रतिमाओं का कलशाभिषेक और शांतिधारा करने का पुण्य लाभ अर्जित किया।

मानस्तंभ पर गूँजे जयकारे

जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला एवं सुनील भाणजा ने बताया कि पंडित सुधीर शास्त्री के सानिध्य में तथा आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज एवं आचार्य प्रसन्न सागर जी महाराज की प्रेरणा से मानस्तंभ पर विशेष अभिषेक कार्यक्रम संपन्न हुआ। 41 फुट की ऊँचाई पर विराजमान भगवान आदिनाथ, भगवान चंद्रप्रभु, भगवान शांतिनाथ एवं भगवान महावीर स्वामी की शांतिधारा करने का सौभाग्य महेंद्र चंवरिया, हितेश छाबड़ा, विमल पाटनी, त्रिलोक रजवास, चेतन चंवरिया और राकेश संधी सहित अनेक श्रद्धालुओं को प्राप्त हुआ।

मूलनायक की आराधना और महापूजा

श्रद्धालुओं ने नसियां मंदिर में विराजमान मूलनायक भगवान शांतिनाथ जी का अभिषेक कर शांतिधारा की। इसके पश्चात आयोजित सामूहिक महापूजा में भगवान आदिनाथ से लेकर भगवान महावीर स्वामी तक सभी तीर्थंकरों की अष्टद्रव्य से पूजा-अर्चना की गई। मोक्ष कल्याणक के अवसर पर निर्वाण लाडू समर्पित कर भगवान मुनिसुव्रतनाथ जी के गुणों का गुणगान किया गया।

इनकी रही गरिमामयी उपस्थिति

इस धार्मिक अनुष्ठान में महावीर प्रसाद पराणा, हुकमचंद जैन, ज्ञानचंद सोगानी, विष्णु बोहरा, अमित कटारिया, शिखरचंद काला, पवन सांवलिया और पदमचंद टोंग्या सहित समाज के सैकड़ों गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जिनालयों में बिखरी अध्यात्म की छटा

नसियां मंदिर के अतिरिक्त शहर के अन्य प्रमुख मंदिरों सहित विज्ञा तीर्थ, पहाड़ी, रजवास, नला, जौंला, वनस्थली, सिरस और झिलाय के जिनालयों में भी मोक्ष कल्याणक दिवस मनाया गया। सभी स्थानों पर सुबह से ही अभिषेक और पूजन के साथ आध्यात्मिक वातावरण बना रहा।

सिद्धा परिवार ने 'दिल की बात, दिल से' कार्यक्रम में सिखाए स्वस्थ हृदय के सूत्र

विशेषज्ञ चिकित्सकों ने दिए हृदय स्वास्थ्य संबंधी परामर्श; दूरदर्शन प्रस्तोता वर्तिका जैन ने किया विशेष सत्र

पूर्व अध्यक्ष दिनेश-नीलम काला का हुआ भव्य सम्मान; लाल और काले रंग की वेशभूषा में थिरके सदस्य

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप सिद्धा परिवार द्वारा रविवार, 15 फरवरी 2026 को गोपालपुरा बाईपास स्थित एक निजी होटल में 'वैलेंटाइन डे विशेषः दिल की बात, दिल से' कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस उत्सव में मनोरंजन के साथ-साथ स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का महत्वपूर्ण संदेश भी दिया गया।

हृदय स्वास्थ्य जागरूकता सत्र

संस्थापक अध्यक्ष धीरज-सीमा पाटनी और वर्तमान अध्यक्ष सौरभ-रतिका गोधा ने बताया कि कार्यक्रम के प्रथम चरण में चिकित्सा विशेषज्ञों के सहयोग से एक विशेष सत्र आयोजित किया गया। प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. राहुल शर्मा और डॉ. अंशुल पाटोदिया ने सदस्यों को हृदय को स्वस्थ रखने के मंत्र दिए। इस सत्र का संचालन प्रसिद्ध दूरदर्शन अभिनेत्री और समाचार प्रस्तोता वर्तिका जैन ने किया। उन्होंने अपने प्रश्नों के माध्यम से चिकित्सकों से दैनिक दिनचर्या और खान-पान से जुड़ी बारीकियों पर चर्चा की, जो सदस्यों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हुई।

पूर्व अध्यक्ष का भव्य सम्मान

कार्यक्रम के दौरान वर्ष 2023-2025 के अध्यक्ष दिनेश-नीलम काला को उनके उत्कृष्ट कार्यकाल के लिए सम्मानित किया गया। सिद्धा परिवार के सभी दंपत्तियों ने उन्हें तिलक, माला, साफा और प्रशस्ति पत्र भेंट कर उनके योगदान की सराहना की और गौरव का अनुभव किया।

विशेष वेशभूषा में सदस्यों का प्रदर्शन

सचिव सुरेंद्र-संगीता छाबड़ा ने बताया कि कार्यक्रम के लिए एक विशेष वेशभूषा संहिता (ड्रेस कोड) रखी गई थी। पुरुष सदस्य लाल कमीज और काली जैकेट में नजर आए, वहीं महिला सदस्यों ने लाल और काली साड़ी पहनकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। सभी दंपत्तियों ने मंच पर बारी-बारी से प्रदर्शन किया, जिसने माहौल में चार चाँद लगा दिए।

अनवरत मनोरंजन और पुरस्कारों की बौछार

दोपहर 3:00 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक चले इस कार्यक्रम में संगीत की धुन पर नृत्य और हंसी-मजाक से भरपूर खेलों का आयोजन हुआ।

पुरस्कारः समय पर आने वाले प्रथम 10 दंपत्तियों को आकर्षक उपहार दिए गए।

विशेष भेंटः इस अवसर पर प्रत्येक दंपत्ति को समूह की ओर से एक 'हृदय' (दिल) के आकार का विशेष उपहार भेंट किया गया।

भोजनः सदस्यों ने सुरुचिपूर्ण व्यंजनों और रात्रि भोज का आनंद लिया।

अंत में कार्यक्रम संयोजक विनय-मंजू बैराठी, ज्ञान-सपना जैन, विमल-नेहा जैन, नवराज-सोनम जैन और हेमराज-अंजू जैन ने सभी आगंतुकों का आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।

भारतीय जैन मिलन क्षेत्र 10 का वार्षिक क्षेत्रीय अधिवेशन संपन्न

जैन मिलन की 51 शाखाओं ने ली सहभागिता, सर्वश्रेष्ठ शाखा सम्मान जैन मिलन मकरोनिया को

सागर. शाबाश इंडिया

भारतीय जैन मिलन क्षेत्र क्र.10 का वार्षिक क्षेत्रीय अधिवेशन महाकवि पद्माकर सभागृह मोतीनगर में,मुख्य अतिथि मा. शैलेन्द्र जैन विधायक सागर,समारोह गौरव वीर अजय जैन राष्ट्रीय महामंत्री सहारनपुर, वीर नरेश चंद्र जैन राष्ट्रीय मुख्य कार्य. अध्यक्ष देहरादून, वीर नरेंद्र चंद्र जैन राजकमल बडौत ,राष्ट्रीय कार्य. अध्यक्ष, वीर महेश जैन विलहरा संरक्षक जैन पंचायत सागर , वीर एड. कमलेन्द्र जैन राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अध्यक्षता क्षेत्रीय अध्यक्ष वीर अरुण चंदेरिया ने की। कार्यक्रम के प्रारंभ में ध्वजारोहण, शाखों द्वारा बैनर प्रेजेंटेशन के साथ कार्यक्रम स्थल तक सभी शाखों ने अपनी झांकियां के साथ प्रवेश किया। कार्यक्रम का प्रारंभ में मंगलाचरण,महावीर प्रार्थना से हुआ, मंच उद्घाटन चौधरी नितिन जैन करैया, चित्रावरण कपिल मलैया, इंजी. महेश जैन एसडीओ,दीपप्रज्वलन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आर.के जैन दमोह, क्षेत्रीय कोषाध्यक्ष प्रमोद जैन भाईजी ने किया। मंचासीन अतिथियों का सम्मान शाल श्रीफल स्मृति चिन्ह द्वारा किया गया। स्वागत भाषण सुरेंद्र जैन बहरोल ने दिया,क्षेत्रीय वार्षिक रिपोर्ट क्षेत्रीय अध्यक्ष द्वारा प्रस्तुत की गई। शाखाओं द्वारा संस्कृतिक प्रतुस्थितियां, श्रेष्ठ अध्यक्ष/ मंत्री सम्मान,शाखों का सम्मान, जिसमें जैन मिलन मकरोनिया को सर्वश्रेष्ठ शाखा का अवार्ड प्राप्त हुआ। राष्ट्रीय समिति द्वारा प्रश्नोत्तरी के तीन पुरस्कार जिसमें प्रथम जिनेश बहरोल, रविंद्र जैन को प्राप्त हुए। प्रतियोगिता का ड्रा निकल गया जिसमें प्रथम, द्वितीय, तृतीय,एवं 30 सात्तना पुरस्कार दिए गए। कार्यक्रम का संचालन क्षेत्रीय मंत्री वीरांगना कविता जैन, वीरांगना अंजू जैन ने किया। आभार सुरेंद्र जैन बहरोल ने माना। कार्यक्रम मुख्य अतिथि मा.विधायक शैलेंद्र जैन ने कहा कि भारतीय जैन मिलन द्वारा किए गए कार्यों से निश्चित ही समाज में जागृति आती हैं, उनके सभी कार्य सराहनीय हैं। क्षेत्र 10 प्रभारी एवं राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष वीर कमलेन्द्र जैन ने कहा जैन धर्म में अनेक पंथ परंपराऐ हैं लेकिन भारतीय जैन मिलन सभी पंथ परंपराओं के समन्वय का कार्य करता हैं। भारत में 1450 एवं सात अन्य देशों में इसकी शाखाएं हैं जो जैन धर्म की प्रभावना का कार्य कर रही हैं, कार्यक्रम में पधारे राष्ट्रीय पदाधिकारीओं ने भी इस आयोजन कि सराहना की।

पंचकल्याणक महोत्सव के महापात्रों का चयन

लार (टीकमगढ़). शाबाश इंडिया। निकटवर्ती श्री दिगंबर जैन मंदिर लार में आयोजित होने वाले नवनिर्मित मानस्तंभ जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के लिए महापात्रों का चयन किया गया। यह ऐतिहासिक श्रीमज्जिनेंद्र जिनबिम्ब पंचकल्याणक प्रतिष्ठा एवं गजरथ महोत्सव 28 मार्च से 2 अप्रैल 2026 तक गणाचार्य 108 श्री विराग सागर महाराज के आशीर्वाद तथा परम प्रभावक शिष्य परम पूज्य पट्टाचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर महाराज के ससंघ सानिध्य में आयोजित होगा। मीडिया प्रभारी मुकेश जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि महोत्सव के प्रमुख पात्रों का चयन इस प्रकार किया गया है

माता-पिताः श्रीमती शोभा सवाई चौधरी एवं ज्ञानचंद्र जैन (लार वाले), टीकमगढ़
सौधर्म इन्द्रः सवाई चौधरी एवं श्रीमती पूनम मनीष जैन (लार वाले), भिलाई
कुबेर इन्द्रः श्रीमती सुलेखा देवेन्द्र जैन (लार वाले), उज्जैन
महायज्ञनायकः श्रीमती रुपल राजीव निराला (लार वाले), इंदौर
ईशान इन्द्रः श्रीमती आभा डॉ. अरविन्द्र जैन, लार
यज्ञनायकः श्रीमती शिवानी संयम जैन एवं श्रीमती मौशमी आकाश जैन, लार
राजा श्रेयांशः श्रीमती प्रीति विवेक जैन (लार वाले), टीकमगढ़
राजा सोमः श्रीमती निधि प्रवीण जैन (लार वाले), दुर्ग-भिलाई
भरत चक्रवर्तीः श्रीमती संगीता खुशालचंद्र, दलपतपुर
भरत बाहुबलीः श्रीमती कुसुम पन्नालाल जैन (लार वाले), देवास
सनत कुमार इन्द्रः श्रीमती अलका खुशालचंद्र जैन (लार वाले), जबलपुर
महेन्द्र इन्द्रः श्रीमती रुपाली नितिन जैन (लार वाले), बेंगलुरु
महामंडलेश्वरः श्रीमती प्रीति मयंक सिंघई, लार
ध्वजारोहणकर्ताः श्रीमती श्रद्धा जैन, सवाई चौधरी, जिनेश जैन, टीकमगढ़
मंच उद्घाटनकर्ताः श्रीमती सुनीता संतोष जैन एवं डॉ. मानसी, डॉ. शुभम जैन (संतोष मेडिकल), टीकमगढ़

महोत्सव समिति द्वारा सभी चयनित महापात्रों के पुण्य की अनुमोदना की गई और आयोजन को ऐतिहासिक स्वरूप देने का संकल्प व्यक्त किया गया।

घटयात्रा व ध्वजारोहण के साथ 'पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव' का भव्य आगाज

छह दिवसीय आयोजन में पाषाण से परमात्मा बनने की क्रियाओं का होगा जीवंत चित्रण

अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज के सानिध्य में उमड़ा श्रद्धा का जनसैलाब

बोलखेड़ा (डीग). शाबाश इंडिया

जम्बू स्वामी की पावन तपोस्थली बोलखेड़ा पर नवनिर्मित जिनालय 'वर्धमान पंच बालयति तीर्थ क्षेत्र' पर सोमवार को पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का भक्तिपूर्ण शुभारंभ हुआ। अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज के सानिध्य में आयोजित इस छह दिवसीय महोत्सव के प्रथम दिन उद्घाटन और ध्वजारोहण की मांगलिक क्रियाएं संपन्न हुईं। समारोह को संबोधित करते हुए मुनि प्रणम्य सागर महाराज ने कहा कि यह भूमि परम पूज्य जम्बू स्वामी की तपोस्थली है, जिसके कण-कण में उनके तप की वर्गणाएँ विद्यमान हैं। उन्होंने श्रावकों को प्रेरित करते हुए कहा, प्रत्येक जीव को अपने जीवन में पंचकल्याणक और क्षपक की समाधि के दर्शन अवश्य करने चाहिए। तीर्थंकरों ने इन पांच कल्याणकों के माध्यम से ही आत्मा से परमात्मा बनने का मार्ग दिखाया है, जिसे 'मोक्ष मार्ग' कहा जाता है।

मंगल कलश और ध्वजारोहण से सुंदर शुरूआत

आयोजन समिति के अध्यक्ष गोकुल राम जैन ने बताया कि महोत्सव का शुभारंभ भव्य घटयात्रा के साथ हुआ। मुख्य मंदिर से शुरू हुई इस यात्रा में महिलाएं एक समान केसरिया परिधान में मंगल कलश लेकर चल रही थीं। संपूर्ण गांव में जुलूस के रूप में निकाली गई इस यात्रा ने वातावरण को धर्ममय बना दिया। घटयात्रा के समापन पर ज्ञानचंद अशोक कुमार जैन (फिरोजपुर झिरका) द्वारा ध्वजारोहण कर महोत्सव का विधिवत आगाज किया गया। महोत्सव का आयोजन गोकुल राम ट्रस्ट द्वारा प्रतिष्ठाचार्य शुभम जैन (बड़ामलहरा) एवं

धीरज भैया (राहतगढ़) के निर्देशन में किया जा रहा है। आयोजन में विभिन्न क्षेत्रों से आए श्रावक-श्राविकाएं इंद्र और इंद्राणी की भूमिका में भगवान के जीवन चरित्र को जीवंत कर रहे हैं। प्रथम दिन दोपहर में याग मंडल विधान का आयोजन हुआ, जिसमें मंत्रोच्चार के साथ अर्घ्य समर्पित किए गए।